* स्वयं से पहले आप "*
राष्ट्रीय सेवा योजना *

संजौली इकाई *

* राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय संजौली *

राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय संजौली के 10 स्वंयसेवियों मुकेश, शुभम, हर्ष, गुरुदेव, श्रीनिवास, अंकिता, दिक्षा, श्रेया, सृष्टि, ईशा ने 14 दिन (* दिनांक :- 9 - 22 जुलाई*) के आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया ।

इसका आयोजन अटल बिहारी वाजपई पर्वतारोहण संबद्ध खेल संस्थान मनाली (ABVIMAS) के उप केंद्र हाई एलटीट्यूट ट्रैकिंग एंड स्किंग सेंटर जो कि नारकण्डा मे स्थित है वहाँ पर किया गया था।

पहले दिन की शुरुआत में सबसे पहले सभी ने अपना परिचय दिया । उसके बाद स्वंयसेवियों को फिल्ड एक्टिविटी के लिए गए । जहां पर सबसे पहले रॉक क्लाइम्बिंग करने की सही तकनीक का इस्तेमाल करके रॉक क्लाइम्बिंग की । उसके बाद दोपहर का भोजन किया । शाम की चाय के बाद एक घंटे तक पर्वतारोहण में उपयोग होने वाले सभी तरह के उपकरणों के बारे में बताया गया ।

इस 14 दिन के शिविर की दिनचर्या सुबह 6:30 बजे से शुरू होती थी जिसमें स्वंयसेवियों को सबसे पहले व्यायाम करते थे और उसके बाद 7:30 बजे ब्रेकफास्ट करके 8:30 बजे फील्ड एक्टिविटी के लिए जाते थे, और फील्ड एक्टिविटी से वापस आने के बाद दोपहर के 1:30 बजे स्वंयसेवियों को दोपहर का भोजन करते थे। दोपहर के 3:30 बजे स्वंयसेवियों को सांय काल की चाय दी जाती थी जिसके पश्चात दिन का आखिरी सत्र होता था जिसमें की स्वंयसेवियों को बौद्धिक के रूप में सिखाया जाता था । उसके बाद रात को 7:30 बजे रात का भोजन दिया जाता था और रात को 10 बजे सब लोग सो जाते थे। ये प्रतिदिन की दिनचर्या थी। संजौली महाविद्यालय की अंकिता को इस प्रशिक्षण शिविर में सभी स्वंयसेवियों का हेड बनाया गया था जिसका दायित्व था की वह सभी लोगों के अनुशासन

का ध्यान रखे। इसके साथ साथ महाविद्यालय के एक और स्वेमसेवी शुभम को उपकरण प्रभारी का दायित्व दिया गया था। इस शिविर में सिखाया गया कि कैसे लोगों को आपदा वाली जगह से निकालना है और उन्हें उचित जगह पर ले जाना है।

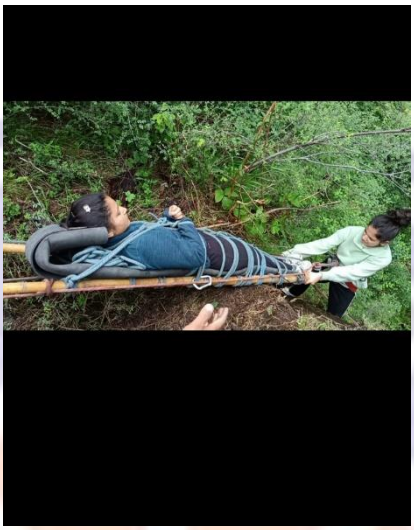

इस शिविर में स्वंयसेवियों को ऊंचे पहाड़ों से नीचे उतरना और ऊपर चढ़ना सिखाया गया और साथ ही में घायल लोगों को अपने साथ पहाड़ से नीचे उतारना और ऊपर लेजाना सिखाया गया। स्वंयसेवियों को नदी और नालों को पार करना और बाढ़ वाले क्षेत्रों से लोगों को सही ढंग से सुरक्षित बाहर निकालने के तरीके और तकनीके सिखाई गई।

इस प्रशिक्षण शिविर में स्वंयसेवियों को अनुशासन सिखाया गया और सबको प्रसीक्षित किया गया की उन लोगों की जान बचा सकें जो की किसी भी प्रकार की आपदा के शिकार हो जाते हैं।

<u>द्वारा लिखित :- मुकेश वर्मा।</u>

राष्ट्रीय सेवा योजना
NATIONAL SERVICE SCHEME